स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्बी ।

थारू भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३०५ वि.सं. २०८३ जेठ १९ गते मंगर थारु सम्वत (२६४९) [Tuesday 02 June 2026] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

प्रदेश नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे आर्थिक बर्ष २०८३/०८४ सालके लाग नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत करले बा ।

सोम्मारके रोज प्रदेश सभा बैठकमे प्रदेश प्रमुख नजिर मियाँ सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारके आर्थिक बर्ष २०८३/०८४ सालके लाग नीति तथा कार्यक्रम प्रस्तुत करल रहिट ।

संघ ओ प्रदेशके चालु आवधिक योजना एवं आगामी दुसरा पञ्चवर्षीय योजनासे निदृष्ट करल लक्ष्य, उद्देश्य, प्राथमिकताके साथे पहिल पञ्चवर्षीय योजना कार्यान्वयनसे सिखल पाठ ओ हासिकल करल उपलब्धीके आधारमे क्षेत्रागत आयोजनामे विनियोजित सन्तुलन कायम हुइना करके अइना बर्षके बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा कैना कहल बा । आयोजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण प्रक्रियाहे परिणाममुखी बनैना आयोजना छनौट सम्बन्धी मापदण्ड ओ आयोजना बैंकहे आधार लेके कार्यक्रम विकास ओ कार्यान्वयन कैना कहल बा ।

प्रदेश गौरवके आयोजना आगामी आर्थिक वर्ष भिटर सम्पन्न कैना करके बजेट विनियोजन, सहजीकरण, समन्वय ओ नियमन कैना प्रबन्ध मिलैना बा । खानेपानी ओरसे अधुरा आयोजना सम्पन्न कैना बाहेक प्रदेश सरकारसे रू. २५ लाखसे कम लागतके विकास आयोजनामे बजेट विनियोजन नैकैना ओ रू. २५ लाख से कम लागतके आयोजना कार्यान्वयन करेपर्ना अवस्था हुइलेसे वित्तीय हस्तान्तरण मार्फत स्थानीय तहसे कार्यान्वय कैना नीति लेना बा ।

प्रदेशके राजस्व प्रशासनहे व्यवस्थित कैना सूचना प्रविधिके प्रयोग, संस्थागत क्षमता अभिवृद्धि, करके दायरा विस्तार ओ कर सहभागिता एवं राजश्व अभिवृद्धि कैना कैना पाँच बर्षे कार्ययोजना सहित प्रदेश राजस्व सुधार रणनीति तर्जुमा करके

कार्यान्वयनमे ल्यन्ना बा ।

सार्वजनिक खर्चहि मितव्ययी, पारदर्शी ओ प्रभावकारी बनैटी अनुत्पादक खर्चमे कटौती कैना, सार्वजनिक खर्चमे वित्तीय अनुशासन कायम, बेरुजु फछ्यौट तथा सम्परीक्षण कार्यहे उच्च प्राथमिकता डेना बा । राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोगसे सिफारिस करल आधारहे अवलम्बन करटी सशर्त अनुदानओरके वित्तीय हस्तान्तरणहे न्यायोचित, पारदर्शी ओ कार्यसम्पादनमे आधारित बनैना बा ।

"प्रदेश प्रमुख स्टार्टअप कार्यक्रम" मार्फत सीप विकास कार्यक्रम सञ्चालन करके नवयुवामे उद्यमशीलता प्रवर्द्धन करटी स्वरोजगार अभिवृद्धि कैना प्रदेश स्वरोजगार विकास कोषके क्षमता अभिवृद्धि कैना बा । वैदेशिक रोजगारसे लौटल, द्वन्द्व प्रभावित, अपाङ्ग, घाहिल, शहीद परिवार, एकल महिला, मुक्त कमैया, कमलरी, हलिया, दलित, बादी, राजी, राउटे, गरिबीके रेखाटरे रहल वर्ग ओ समुदायके स्वरोजगार बने चाहल युवायुवतीके लाग कोषसे तालिम प्रदायक निकायसंगके सहकार्यमे सीपमूलक तालिम सञ्चालन तथा सहुलियत व्याजदरमे कर्जा प्रदान कैना बा ।

प्रादेशिक अर्थतन्त्रके सबलीकरणके लाग पूर्वाधार निर्माण उत्पादनमूलक क्षेत्रमे निजी क्षेत्रके लगानी आकर्षित कैना लगानीमैत्री वातावरण सृजना करके सार्वजनिक-निजी साझेदारी प्रवर्द्धन कैना नीति अवलम्बन कैना बा । प्रदेशमे लगानीकतहि आकर्षित कैना सरोकारवालासँगके सहकार्य ओ समन्वयमे प्रदेश लगानी तथा विकास सम्मेलन आयोजना कैना आवश्यक व्यवस्था मिलैना बा ।

सूचना ओ तथ्यमे आधारित नीति तर्जुमा ओ निर्णय प्रणाली विकास कैना एकीकृत तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणाली विकास करके कार्यान्वयनमे ल्यन्ना बा । प्रदेशस्तरीय तथ्याङ्क सङ्कलन ओ व्यवस्थापनहे संस्थागत एवं सदृढीकरण कैना बा ।

प्रदेश सरकारके नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयनहे प्रभावकारी तुल्यइना अनुगमन प्रणाली सुदृढ कैना बा । । आयोजनाके अनुगमन तथा मूल्यांकनहे नतिजामुखी बनैना आवश्यक कानूनी व्यवस्था करके सूचना प्रविधिमे आधारित एकीकृत अनुगमन प्रणाली ओ एकीकृत विद्युतीय अभिलेखिकरण प्रणाली स्थापना कैना बा ।

प्रादेशिक सडक यातायात गुरुयोजनाके प्राथमिकताके आधारमे प्रदेश लोकमार्ग, प्रदेश सहायक मार्ग लगायत प्रदेशके अन्य महत्वपूर्ण सडकके विकास, बिस्तार ओ स्तरोन्नति कैना बा । सडक सञ्जालसंग नैजोरल स्थानीय तह साईपाल गाउँपालिका, अपिहिमाल गाउँपालिका ओ स्वामीकार्तिक खापर गाउँपालिका लगायतके केन्द्रहे प्रादेशिक तथा स्थानीय सडक सञ्जालसँग जोरना कार्यहे निरन्तरता डेना बा । सडक पूर्वाधारहे उत्पादनसँग जोरना कृषि उत्पादन क्षेत्रसे प्रदेश लोकमार्ग, राजमार्ग वा बजारसम जोरना सडकहे "कृषि आर्थिक पहुँच मार्ग" के रुपमे बहुउपयोगी हुइना करके प्राथमिकताके साथ निर्माण कैना बा ।

प्रदेश सडक सञ्जाल गुरुयोजना अन्तर्गत निर्माण सम्पन्न हुइल कालोपत्रे सडकमे बाहै महिना सहज आवागमनके लाग सडक मर्मत सम्भार समूह मार्फत नियमित मर्मत कैना ओ यस्ने समावेश हुइल सडकके क्षति ओ सडक अवरुद्धके सूचना प्राप्त हुइल ७२ घण्टाभिटर प्राविधिक टोलीसे सम्बोधन कैना करके आवश्यक व्यवस्था मिलैना बा ।

सुदुरपश्चिम प्रदेशके चिसापानीसे कर्णाली प्रदेशके सुखेंत जोरना सडक खण्डके स्तरोन्नती एवं कालोपत्रे कार्यहे शीघ्र सम्पन्न करके आवागमन सहज कैना संघ सरकार ओ कर्णाली प्रदेश सरकारसंग आवश्यक समन्वय ओ सहकार्य कैना बा ।

प्रदेशके कार्यक्षेत्र अन्तर्गत कैना निर्माण सम्पन्न हुइल झोलुङ्गे पुलके तथ्याङ्क संकलन करके आवधिक मर्मत सम्भार कैना बा । साथे, सडक सुविधा नैपुगल दुर्गम स्थान, पदमार्ग ओ घोरेटो डगरमे आवश्यक स्थानमे झोलुङ्गे पुल निर्माण कार्यहे निरन्तरता डेना बा ।

प्रदेशके सक्कु घरपरिवारहे आधारभूत खानेपानी सेवा पुगैना "आधारभूत खानेपानी" कार्यक्रम ओ खानेपानी सक्कुहुनके पहुँचमे पुगैन "एक घर, एक धारा" कार्यक्रम कार्यान्वयनमे ल्यन्ना बा ।

तटबन्ध, बायोइन्जिनियरिङ्ग तथा अन्य उपयुक्त प्रविधिके माध्यमसे जलउत्पन्न प्रकोप नियन्त्रण ओ योजनाबद्ध नदी व्यवस्थापन करके जमिन *(बाँकी ३ पेजमे)*

उपभोक्ता समितिमार्फत योजना कार्यान्वयन नैकैना

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार अइना आर्थिक वर्ष २०३/४ के लाग बजेट निर्माणके तयारीमे जुटल बेला प्रदेश सरकारसे कार्यान्वयन हुइना कौनोफे योजना उपभोक्ता समितिमार्फत कार्यान्वयन नैकैना निर्णय करल बा ।

मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रीपरिषद् कार्यालयमे बैठल सर्वदलीय बैठकसे प्रदेश सरकारके कौनोफे योजना उपभोक्ता समितिमार्फत कार्यान्वयन नैकैना निर्णय करल हो । ओस्टेक करके, प्रदेश सरकारसे व्यक्ति, समूह, निजी फर्म, कम्पनीहे तोक्के बजेट विनियोजन नैकैना निर्णय बैठकसे करले बा ।

बैठकसे प्रदेश सरकारसे कार्यान्वयन कैना योजना तथा कार्यक्रमके लाग न्यूनतम २५ लाख रुप्यासे उप्परके बजेट सिलिङ कायम करके विनियोजन कैना निर्णय करले बा । ओस्टे, २५ लाखसे कम बजेट विनियोजन करेपर्ना अवस्था अइलेसे कार्य योजनासहित सशर्त अनुदानके रुपमे स्थानीय तहहे वित्तीय अनुदान हस्तान्तरण कैना निर्णय करल मुख्यमन्त्रीके प्रेस तथा जनसम्पर्क सल्लाहकार डम्मर बम जानकारी डेलै ।

ओस्टे, जोरके आइल कौनोफे योजना आयोजनामे बजेट विनियोजन नैकैना बैठकसे निर्णय करले बा ।

मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहके अध्यक्षतामे बैठल बैठकमे सत्तारुढ दल नेकपा (एमाले) के संसदीय दलके नेता राजेन्द्रसिंह रावल, प्रमुख प्रतिक्षी दल नेपाली कम्युनिष्ट पार्टीके संसदीय दलके नेता खगराज भट्ट, उपनेता प्रकाश रावल उपस्थित रहल रहिट ।

ओस्टेक करके, बैठकमे नेपाली कांग्रेसके प्रमुख सचेतक विक्रमसिंह धामी, एमालेके प्रमुख सचेतक चक्र मल्ल, नेपाली कांग्रेसके सचेतक गीता चौधरी, नेपाली कांग्रेसके सचेतक जानकी ऐरसहित प्रदेश सरकारके मन्त्री, नीति तथा योजना आयोगके पदाधिकारीहुकनके उपस्थिति रहल रहे ।

समुदाय विपद व्यवस्थापन न्यूनीकरण सम्बन्धी कार्यक्रम

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ जेठ । कैलालीमे सामुदायिक विपद व्यवस्थापन न्यूनीकरण सम्बन्धी कार्यक्रमके शुभारम्भ करल बा ।

सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल नम्बर ३४ गण हेडक्वाटर कैलालीके आयोजना तथा कैलारी गाउँपालिकाके सहकार्यमे सोम्मार उ कार्यक्रमके शुभारम्भ करल हो ।

कैलालीमे सामुदायिक विपद व्यवस्थापन न्यूनीकरण सम्बन्धी कार्यक्रमके शुभारम्भ करल बा । कार्यक्रमके सशस्त्र प्रहरी बल, नेपाल नम्बर ३४ गण हेडक्वाटर कैलालीके गणपति एवम सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक खुम बहादुर केसी उदघाटन करले बटै । उ कार्यक्रम कैलारी गाउँपालिका, लम्कीचुहा नगरपालिका, घोडाघोडी नगरपालिका ओ भजनी नगरपालिकामे सञ्चालन हुइना बा ।

कार्यक्रममे बाढजन्य विपद व्यवस्थापन न्यूनिकरण सम्बन्धी जनचेतना फैलैना तथा अभ्यास कार्यक्रममार्फत नागरिकहे सुसूचित पर्ना सशस्त्र प्रहरी उपरीक्षक केसी जानकारी डेलै ।

चैतन्यसे 'आमाको माया छात्रावास'मे स्टेशनरी तथा खाद्यान्न वितरण

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, १८ जेठ । शिक्षा ओ संस्कारहे सँगसँगे आघे बहैटी आइल चैतन्य पाठशालासे अपन २६औँ स्थापना दिवस विशेष तथा स्मरणीय रूपमे मनैले बा ।

स्थापना दिवसके अवसरमे विद्यालयसे सामाजिक उत्तरदायित्वहे प्राथमिकतामे रख्टी धनगढीस्थित जनजाति कल्याण आश्रम नेपाल द्वारा सञ्चालित आमाको माया छात्रावासमे आश्रित बालबालिकाके लाग स्टेशनरी सामग्री तथा खाद्यान्न वितरण करल हो ।

समाजप्रति विद्यालयके दायित्व केवल गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान कैना केल्ह नैहुके मानवीय संवेदना, सहयोग ओ सामाजिक सेवाके भावना विकास कैनाफे रहल विश्वासके साथ उ कार्यक्रम आयोजना करल विद्यालय जनैले बा ।

स्थापना दिवसके अवसरमे विद्यालयके शिक्षक, कर्मचारी तथा कक्षा १० के विद्यार्थीके उपस्थितिमे छात्रावासमे पुगके आवश्यक शैक्षिक तथा खाद्य सामग्री हस्तान्तरण करल रहे ।

उहे अवसरमे विद्यार्थीहुक्के समेत आपन खाजा खर्च *(बाँकी ३ पेजमे)*

"प्रकृति, संस्कृति र पर्यटन नेपालको पहिचान, समृद्धमुलुक निर्माण, होमस्टेको अभियान"

दोस्रो सुदूरपश्चिम प्रदेशस्तरीय होमस्टे मेला महोत्सव-२०८३

जेठ १५ देखि २१ गतेसम्म
धनगढी उप-महानरपालिका वडा नं. १६, भादा, कैलाली

महोत्सवका आकर्षणहरु: समय : बेलुका ५:00 बजेदेखि १0:00 बजेसम्म

- प्रत्येक दिन सुदूरपश्चिमका विभिन्न जातजाती तथा समुदायहरुको नाचगान प्रस्तुती (हिमाल, पहाड, तराई) ।
- दैनिक सुदूरपश्चिमका विभिन्न समुदायहरुको खानपान छानी-छानी खान पाईने ।
- टीकापुर पार्क अवलोक, कर्णालीमा च्याप्टीङ्ग ।
- घोडाघोडी सिमसार क्षेत्र अवलोकन ।
- विभिन्न खेलकुदहरु जस्तै : स्लो साईकल रेश, घैटाफोर, भलाद्मी दौड ।
- प्रत्यके दिन स्थानीय तथा राष्ट्रिय कलाकारहरुको बेजोड प्रस्तुती ।
- थारु हस्तकला र विभिन्न होम स्टेका स्टलहरुको प्रत्यक्ष अवलोकन ।
- काठे पिङ शयर ।
- २० र २१ गते विहान ४:00 बजेदेखि ६:00 बजेसम्म २ दिन योग ।

सम्पर्क नं.
९७६२२९३३७६, ९८६५८१५५१९
९८४८६००४२४, ९७४६२५८७०१

समन्वय तथा सहकार्य: होमस्टे (घरबास) महासंघ नेपाल, सुदूरपश्चिम प्रदेश कार्य समिति, धनगढी, कैलाली
सहयोग: सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार, उद्योग, पर्यटन, वन तथा वातावरण मन्त्रालय, प्रदेश पर्यटन विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाई, धनगढी, कैलाली
आयोजक: थारु होमस्टे गाउँ भादा पर्यटन विकास तथा व्यवस्थापन समिति, धनगढी उप-महानगरपालिका-१६, भादा, कैलाली

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : **प्रेम चौधरी** (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

लोकतन्त्रमे सदाचार संस्कृति

विचार
डा. त्रिलोचन पौडेल

विश्वभर स्वीकार करल ओ जनमुखी व्यवस्था लोकतान्त्रिक शासनप्रणाली हो । लोकतन्त्रके मूल भावना जनतामे निहित सार्वभौमसत्ता, समानता, स्वतन्त्रता ओ जनकल्याणमे आधारित शासनव्यवस्था हो । लोकतन्त्रके दीर्घकालीन सफलता नागरिक, नेतृत्व ओ राज्यसंस्थाके नैतिक चरित्रमे निर्भर रहठ । स्वीकार्य संविधान, आवधिक निर्वाचन ओ सरकार निर्माण लोकतन्त्रके प्रमुख अवयव हो । वैदिक शासनप्रणालीसे कौनो फेन लोकतान्त्रिक शासनव्यवस्थाके लाग आर्थिक सदाचार अनिवार्य ओ पूर्वसर्त मानल बा । सार्वजनिक स्रोतके न्यायपूर्ण उपयोग, पारदर्शी निर्णय प्रक्रिया, करदाताप्रतिके उत्तरदायित्व, नैतिक नेतृत्व, जनहित संरक्षण, इमानदार प्रशासन ओ विधिसम्मत आर्थिक आचरणाके समष्टिगत अभ्यास वास्तविक लोकतन्त्र हो । लोकतन्त्रहे प्रभावकारी ओ जनमुखी बनैना आर्थिक सदाचार अपरिहार्य रहठ ।

वेद, उपनिषद्, रामायण, महाभारत, मनुस्मृति, वैदिक साहित्य तथा नीतिशास्त्रसे समाज ओ राज्यव्यवस्था सञ्चालनके लाग नैतिक, न्यायिक, जनकल्याण तथा वित्तीय अनुशासन महत्वपूर्ण कडीके रूपमे स्वीकार करल बा । आधुनिक लोकतन्त्रसे मौलिक हक, मानव अधिकार, स्वतन्त्रता ओ जनसहभागिताहे संस्थागत आकार प्रदान करल बा । आर्थिक सदाचार अभावमे लोकतान्त्रिक शासनव्यवस्थामे समेत भ्रष्टाचार मौलाइठ । आज विश्व भ्रष्टाचार, आर्थिक असमानता, राजनीतिक स्वार्थ, नैतिक संकटलगायत विविध चुनौतीसे गुज्रटि बा । वैदिक सनातनी नैतिकता, आधुनिक लोकतान्त्रिक मूल्यमान्यता, असल सिद्धान्त ओ अभ्यासके समन्वयमार्फत न्यायपूर्ण, पारदर्शी, उत्तरदायी तथा समृद्ध समाज निर्माण आजके आवश्यकता हो ।

वैदिक लोकतान्त्रिक शासन

वैदिक युगहे राजतन्त्रात्मक युगके रूपमे बुझ्ना प्रवृत्ति रलेसे फेन वैदिक ग्रन्थसे सुशासनमे सामूहिक निर्णय, समन्वय, सहकार्य, राय, परामर्श ओ जनसहभागिताके स्पष्ट संकेत करठ । आदर्श रामराज्यके चर्चा आजपर्यन्त सुशासनके मार्गचित्र बनल बा । राम न्याय, सत्यनिष्ठा, सदाचारी ओ कर्तव्यपरायणाके प्रतिमूर्ति रहैं । रामराज्यमे आमनागरिक सुखी रहैं, समाज समृद्ध रहे, न्यायपूर्ण सद्व्यवहार रहे, प्रगतिशील करप्रणाली रहे, आमनागरिक खुसी तथा सम्पन्न रहैं ओ नागरिकमुखी सार्वजनिक प्रशासन रहे । रामराज्यसे शासन शक्तिमे से नैतिक चरित्रभित्रे निर्भर हुइना आदर्श पाठ सिखाइठ । कहिजाइठ, रामराज्यमे बाखा ओ बाघ एक नदीके पानी सँगे पिऐ । नीतिशास्त्र पहल पाछेक समाज ओस्टे राज्यके अपेक्षा करल हो । एकापसमे रिस, राग ओ द्वेष हटैना हो कलेसे अब्बे फेन ओइसिन समाज निर्माण करे सेक्जाइ ।

रामराज्यमे चारु वर्णके मनै लोभरहित होके अपनअपन वर्णानुसार कर्म करैं, ओहे कर्ममे सन्तुष्ट रहैं । जनता सत्य, शौच, दया ओ दानके आधारमे जीवनयापन करैं । नारीके सम्मान होए, गुणी व्यक्तिके आदर करजाए, मनै परोपकारमे लागैं ओ सब कृतज्ञ रहैं । रामराज्यमे कौनो फेन बालबालिकाके अकाल मृत्यु नैहुए । वृद्धवृद्धा (बाबाडाइ) अपन मृत सन्तानके अन्त्येष्टि वा काजकिरिया (प्रेतकार्य) करे नैपरे । रामराज्यमे वृक्ष फलफूल लटरम्म ढाकल रहे, वृक्षके जर बलगर रहे । मृदुपवनके मधुर स्पर्शसे जन जनमे सुख डेहे कहिके अध्यात्म रामायणमे कहल बा ।

सूचना प्रविधिके आजके युगमे रामहे केवल देवत्वकरण ओ पूजा कैके नाइकि उहाँक आदर्श अनुसरण करे सेक उहाँप्रति न्याय किल हुइना नाइहो, आदर्श समाज निर्माणमे योगदान पुगल बा । उहाँक आदर्श जीवनसे शिक्षा ग्रहण कैके राज्य ओ सार्वजनिक प्रशासन सञ्चालन करना आजके आवश्यकता हो । रामके आदर्श पछ्यइना कलेक पुरान बाटमे अड्कना नाइहो ।

सार्वजनिक प्रशासन

विशेषतः शान्तिपर्वमे राज्य, धर्म ओ शासनबारे चर्चा करल बा । 'धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः ।' जोन व्यक्तिसे धर्मके रक्षा होए, धर्मसे फेन ओहे व्यक्तिके रक्षा करठ । धर्म नष्ट करना स्वयं नष्ट हुइठ । अधर्म, लोभ ओ अन्यायसे राज्य पतनओर उन्मुख हुइना तथ्य महाभारतसे स्पष्ट व्याख्या करल बा । नैतिक शासन, अनुशासन ओ कर्तव्यपरायण पौरस्त्य राजनीतिक चिन्तनके परम तत्व हो । श्रेष्ठ पुरुष जाजैसिन आचरण करठैं, आममनै ओहे आचरण अनुसरण करे लागठ । श्रेष्ठ व्यक्तिके आचरण समाजसे अनुसरण करठ । सरकारके शासन सञ्चालन गतिके मूल्यांकन कैके आमनागरिक किल नाइहोके, सार्वजनिक प्रशासन सञ्चालन करना राष्ट्रसेवक फेन ओहे कार्यके आधारमे कार्यसम्पादन हुइना जनगुनासो समय समयमे अइना करल बा । लोकतन्त्र मजबुत बनैना कोसेढुंगा कलेक नेतृत्वकर्ता वा अगुवा हुइना कना तथ्य यिहिनसे पुष्टि हुइठ ।

लोकतान्त्रिक आधार

नेपालके संविधानसे देशहे संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक मुलुकमे स्थापित करल बा । नागरिक अधिकार, समानता, स्वतन्त्रता ओ न्याय मौलिक हकके रूपमे सुनिश्चित करल बा । राज्यशक्तिके स्रोत नेपाली नागरिक ओ सार्वभौम अधिकार, मौलिक हकके संरक्षण, शक्तिके विभाजन (कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका), संघीय संरचना ओ विकेन्द्रीकरण, समावेशी प्रतिनिधित्व ओ विधिके शासन संविधानके प्रमुख लोकतान्त्रिक आधार हो । संविधानसे भ्रष्टाचार नियन्त्रण, सुशासन ओ पारदर्शिताके परिकल्पना करलेसे फेन यकर प्रभावकारी कार्यान्वयन मुख्य चुनौती बनल बा । आशा करि, राष्ट्रिय स्वतन्त्र पार्टीके बलगर एकल सरकारसे उ चुनौतीके डटके सामना करि ।

आर्थिक सदाचार लोकतन्त्रके आत्मा हो। संविधान, निर्वाचन ओ संस्थागत संरचना किल होके लोकतन्त्र बलगर नैरहठ। शासनप्रणाली नैतिकता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व ओ जनहितमे आधारित नैहुइटसम लोकतन्त्रके वास्तविक उद्देश्य पूरा नैहुइठ। पौरस्त्य दर्शनसे धर्म, सत्य, संयम, न्याय ओ जनकल्याणहे शासनके आधार मानल रहे। आधुनिक लोकतन्त्रसे नागरिक अधिकार, सहभागिता ओ संस्थागत संरचनाहे प्राथमिकता डेहल बा। पौरस्त्य चिन्तन ओ आधुनिक लोकतान्त्रिक धाराके समन्वयसे किल उत्तरदायी, पारदर्शी ओ जनविश्वासयुक्त लोकतन्त्र निर्माण सम्भव बा। नेपाल आब केवल राजनीतिक परिवर्तन नाइहो, सुशासनके लक्ष्यसहित नैतिक रूपान्तरणके यात्रामे आघे बह्रे परठ। सार्वजनिक जीवनमे इमानदारी, आर्थिक अनुशासन, नैतिक नेतृत्व ओ जनउत्तरदायी शासन स्थापित करे सेक्लेसे किल लोकतन्त्र मतबुत हुइ। लोकतन्त्रके वास्तविक सफलता चुनाव जिट्नामे नाइकि जनविश्वास आर्जन करनामे रहल बा। आर्थिक सदाचारसहितके लोकतन्त्रसे किल समृद्धि, सामाजिक न्याय, सुशासन ओ दिगो विकास सुनिश्चित करे सेकि।

सुशासन मार्गचित्र

सरकारसे सार्वजनिक प्रशासन सुधार, सेवा प्रवाहमे प्रभावकारिता ओ भ्रष्टाचार नियन्त्रणके लाग सुशासन मार्गचित्र, २०८२ आघे सारल बा । यिहिनसे डिजिटल सुशासन, प्रशासनिक सरलीकरण, पारदर्शी सेवा प्रवाह, आर्थिक अनुशासन ओ उत्तरदायी शासनहे प्राथमिकता डेहल बा । सरकारी सेवाप्रणालीहे प्रविधिमैत्री बनैना, सार्वजनिक खरिदप्रणाली सुधार करना, राजस्व प्रशासन पारदर्शी बनैना, नागरिक गुनासो व्यवस्थापन प्रभावकारी बनैना तथा निर्णय प्रक्रियाहे हलि ओ परिणाममुखी बनैना प्रयास सकारात्मक कदम हो ।

लोकतन्त्रके प्रभावकारिता नागरिकसे अनुभव करना सेवा, न्याय ओ अवसरसँग सम्बन्धित रहठ । नागरिकसे राज्यसे सहज सेवा, न्यायपूर्ण व्यवहार ओ पारदर्शी शासन अनुभव करे नैसेकि कलेसे लोकतन्त्रप्रतिके विश्वास कमजोर रहठ । सुशासन मार्गचित्रके सफल कार्यान्वयन आर्थिक सदाचारसँग प्रत्यक्ष रूपमे जोरल विषय हो । रास्वपाके वाचापत्रमे फेन सुशासन, भ्रष्टाचार नियन्त्रण, पारदर्शिता, कार्यसम्पादनमे उत्तरदायित्व, राज्यसंयन्त्रके सरलीकरण ओ राजनीतिक शुद्धीकरणओर जोड डेहल बा ।

आर्थिक सदाचार

आर्थिक सदाचार लोकतन्त्रके आत्मा हो । संविधान, निर्वाचन ओ संस्थागत संरचना किल होके लोकतन्त्र बलगर नैरहठ । शासनप्रणाली नैतिकता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व ओ जनहितमे आधारित नैहुइटसम लोकतन्त्रके वास्तविक उद्देश्य पूरा नैहुइठ । पौरस्त्य दर्शनसे धर्म, सत्य, संयम, न्याय ओ जनकल्याणहे शासनके आधार मानल रहे । आधुनिक लोकतन्त्रसे नागरिक अधिकार, सहभागिता ओ संस्थागत संरचनाहे प्राथमिकता डेहल बा । पौरस्त्य चिन्तन ओ आधुनिक लोकतान्त्रिक धाराके समन्वयसे किल उत्तरदायी, पारदर्शी ओ जनविश्वासयुक्त लोकतन्त्र निर्माण सम्भव बा । नेपाल आब केवल राजनीतिक परिवर्तन नाइहो, सुशासनके लक्ष्यसहित नैतिक रूपान्तरणके यात्रामे आघे बह्रे परठ । सार्वजनिक जीवनमे इमानदारी, आर्थिक अनुशासन, नैतिक नेतृत्व ओ जनउत्तरदायी शासन स्थापित करे सेक्लेसे किल लोकतन्त्र मतबुत हुइ । लोकतन्त्रके वास्तविक सफलता चुनाव जिट्नामे नाइकि जनविश्वास आर्जन करनामे रहल बा । आर्थिक सदाचारसहितके लोकतन्त्रसे किल समृद्धि, सामाजिक न्याय, सुशासन ओ दिगो विकास सुनिश्चित करे सेकि ।

युवापुस्ता राजनीतिक नारासे व्यवहारमे नैतिक चरित्र खोजटा । जनता पारदर्शी नेतृत्व, परिणाममुखी शासन, इमानदार प्रशासन ओ भ्रष्टाचारमुक्त राज्यव्यवस्था चाहल बा । लोकतन्त्रप्रतिके बह्रल निराशा हटैना राजनीतिक दलसे नैतिक विश्वसनीयता कायम करे परठ । राजनीतिक प्रतिस्पर्धा केवल सत्ता प्राप्तिके माध्यम नाइहो, सुशासन ओ जनसेवामे उत्कृष्टता प्रस्तुत करना माध्यम बने परठ । लोकतन्त्रमे जनताके विश्वास सबसे भारी पुँजी हो । निर्वाचनमे हार ओ जित प्राविधिक विषय हो । राजनीतिक दलसे लोकतान्त्रिक व्यवस्था स्थापित करना करल संघर्षके इतिहास निर्वाचनमे पराजित हुइ सेकल नाइहो । मुख्य विषय नागरिकसँगके निरन्तर सम्बन्ध ओ लोकतन्त्रके मूल्यमान्यताके रक्षा करना हो । फेन एक चो सब पक्ष एकजुट होके देश निर्माणके महायज्ञमे लागे सेक्लेसे उ रामराज्य फेन स्थापित करे सेक्जाइ ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

........सम्पादकीय

बालविवाहहे न्यूनीकरण करी

कानुनसे बालविवाहहे दण्डनीय अपराध मन्लेसेफे राष्ट्रिय जनगणना २०७८ अनुसार सक्कु प्रदेशमे यकर अभ्यास अभिन कायम रहल डेखल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेशमेफे बालविवाहके दर राष्ट्रिय औसतसंग मिल्टीजुल्टी, करिव १.५ प्रतिशत रहल बा । यी मध्ये करिब ०.७ प्रतिशत बालक ओ २.४ प्रतिशत बालिकाहुक्रे कानुनी उमेर विन पुगल भोज करल पाइल बा ।

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ से ढेर जैसिन मनै (३४.४ प्रतिशत) के पहिल भोज १८ से २० बर्षके उमेरमे हुइना डेखल बा । कलेसे १५ से १७ वर्षके उमेरमे पहिल भोज हुइल २२.३ प्रतिशत, १०–१४ बर्ष उमेरमे पहिल भोज हुइल ७ प्रतिशत ओ १० वर्षटरेक उमेरमे पहिल भोज हुइल ०.३ रहल डेखल बा । नेपालमे बालविवाहके दर प्रदेश, बसोवास क्षेत्र, आर्थिक–सामाजिक अवस्था, जातजाति, धर्म, समुदाय तथा शैक्षिक अवस्थाके विविधता ओ अन्य भिन्नताके आधारमे फरकफरक रहल बा ।

शहरी क्षेत्रके तुलनामे ग्रामीण क्षेत्रके महिलाके सामान्यतया कम उमेरमे भोज हुइना करल पाइल बा । राष्ट्रसंघीय जनसंख्या कोषके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रमे बसोवास करुइया मध्ये ४३ प्रतिशत ओ शहरमे बैठना मध्ये २७ प्रतिशत महिलाके १८ बर्ष नैपुग्टी भोज हुइना करल बा । मधेशी समुदायके साथे सीमान्तकृत समूह जस्टे दलित, जनजाति ओ मुस्लिम समुदायमे अन्य समुदायके तुलनामे यी दर उच्च रहल बुझ्ल बा । यकर अतिरिक्त, सुदूरपश्चिम प्रदेशसे बालविवाहहे न्यूनीकरण कैना "सानै छु म, बढ्न देऊ, बालविवाह हैन. पदन देऊ" "स्वस्थ बालबालिका, शसक्त महिला र सम्मानित जेष्ठ नागरिक अभियान सञ्चालन करल बा । सुदूरपश्चिम प्रदेशसे जारी करल लैङिक समानता तथा समावेशीकरण नीतिके रणनीति ११ निरोधात्मक उपचारात्मक तथा नियमनकारी उपायसे सामाजिक मूल्य मान्यतामे परिवर्तन करटी लिङ्ग, उमेर, वर्ग तथा जातीय आधारमे हुइना हिंसा भेदभाव परम्परागत हानिकारक सामाजिक अभ्यास ओ बहिष्कारणके अन्त्यसे सम्बन्धितसे बा ।

प्रदेश बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७७ के दफा ४१ से बालबालिकाके विवाह तय कैना वा बालबालिकाके विवाह कैना वा करैना कार्यहे बालबालिका विरुद्ध हुइना हिंसाके रुपमे परिभाषित करल बा । दफा २० से बालबालिका विरुद्धके हिंसा वा ओसिन जोखिममे रहल बालबालिका विशेष संरक्षणके आवश्यकता रहल बालबालिकाके वर्गमे धारल बा । बालविवाहके कारण बालबालिका शिक्षासे बञ्चित हुइना, छोट उमेरमे डाई बनेबेर बच्चा ओ डाई मनैनके स्वास्थ्यमे गम्भीर असर परठ । बालविवाह सामाजिक मुद्दा हुइल ओरसे यिहीहे न्यूनिकरण करेक लाग सक्कु जाने लागे पर्ना जरुरी बा । बालबालिका ओ अभिभावक विच दोहरो सम्वाद कैना जरुरी बा ।

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर
दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।
सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि्ठ । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *–सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:
हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एक्बुलेन्स नम्बर
९८३४६८९६१७, ९८५८४२७०१८,
९८१४६०८०५६,
९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५
प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालिय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालिय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८
बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६
सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५३२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५
अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२
होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२
शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९
राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२
एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

प्रदेश नीति...

उकास कैना कार्यहे निरन्तरता डेना बा ।

भूमिगत ओ सतह सिँचाइके अतिरिक्त टार तथा उच्च भू-भागमे लिफ्ट प्रविधिमे आधारित सिँचाइ आयोजनाके निर्माण कार्यहे निरन्तरता डेना बा । कृषि पकेट, ब्लक, जोन ओ सुपर जोन क्षेत्रहे प्राथमिकतामे धारके सिँचाइ आयोजनाके निर्माण कैना करके एकीकृत कृषि-सिँचाइ आयोजना कार्यान्वयन कैना बा ।

अशक्त, असहाय, विपन्न, लोपोन्मुख, सीमान्तकृत, दलित समुदाय, लैंगिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक, अपांगता हुइल नागरिकहे सुरक्षित आवासके व्यवस्था कैना जनता आवास कार्यक्रमहे निरन्तरता डेना बा । सरकारी कार्यालयके भवनके निर्माण, मर्मत, सुधार तथा संरक्षण कैना कार्यहे निरन्तरता डेना बा । बसाँइ सराइके चापहे मध्यनजर करटी बसाँइ सराइो उच्चदर हुइल स्थानमे एकिकृत बस्ती विकासके अवधारणा कार्यान्वयनमे ल्यन्ना बा ।

सवारी साधन ओ चालक अनुमतिपत्र सम्बन्धी अभिलेखे डिजिटाइजेसन ओ अर्काइभिङ कैना बा । यातायात व्यवस्थाहे सूचना प्रविधिमैत्री बनाके चालक अनुमतिपत्र, सवारी साधन दर्ता, नविकरण, राजश्व भुक्तानी लगायतके सेवा अनलाइन प्रणालीसँग आवद्ध कैना आवश्यक व्यवस्था मिलैना बा ।

"मुख्यमन्त्री लघु उद्यम कार्यक्रम" मार्फत प्रदेशमे रोजगारी एवं स्वरोजगारी सिर्जना करके बहृटी जनशक्ति पलायन रोकेक लाग आवश्यक पहल कैना बा । गरिबी न्यूनीकरण कैना कार्यक्रमहे शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण कार्यक्रमसँग आवद्ध करके विशेष करके उच्च गरिबीके दर रहल स्थानीय तह अछामके ढकारी गाउँपालिका ओ कमलबजार नगरपालिका, डोटीके शिखर नगरपालिका, बाजुराके त्रिवेणी नगरपालिका ओ बैतडीके सिगास गाउँपालिका ओ शिवनाथ गाउँपालिकामे सघन रूपमे सञ्चालन करके लक्षित वर्गके जीवनस्तरमे सुधार ल्यन्ना बा ।

प्रदेशमे उपलब्ध कच्चा पदार्थके अधिकतम उपयोग कैना खालके उद्योग स्थापना ओ सञ्चालनमे जोड डेना बा । लघु, घरेलु तथा साना उद्योगके स्तरोन्नती तथा आधुनिकीकरणके लाग आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन कैना बा । लघु, घरेलु तथा साना उद्योगके उत्पादनहे मेला, महोत्सव, प्रदर्शनी मार्फत बजारीकरणमे टेवा पुगैना बा । संघ, प्रदेश ओ स्थानीय तहके सहकार्यमे प्रदेशस्तरीय औद्योगिक क्षेत्र स्थापना ओ निर्माणके लाग पहल कैना बा । नेपाल सरकार, स्थानीय तहसँग ओ निजी क्षेत्र समेतके समन्वय हो सहकार्यमे "एक स्थानीय तह, एक लघु औद्योगिक ग्राम" कार्यक्रमहे विस्तार कैना बा ।

महिला, आदिवासी जनजाति, राउटे, राजी, दलित, अपाङ्ग, द्वन्द्व पीडित, सशस्त्र संघर्ष, जनआन्दोलनके घाइते, सहिद परिवार, एकल महिला लगायत आर्थिक एवम् सामाजिक रूपस पिछरल समुदायके उत्थानके लाग "दशरथ चन्द सीपमूलक एवं क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम" हे निरन्तरता डेना बा । दलित समुदायसे सञ्चालित उद्योगके प्रवर्द्धन कैना कार्यक्रमहे निरन्तरता डेना बा । महिलाके आर्थिक सशक्तीकरण, स्वरोजगार तथा उद्यम विकासहे प्रोत्साहन कैना "द्वारिका देवी ठकुरानी महिला उद्यमशीलता कार्यक्रम" सञ्चालन कैना बा ।

"पर्यटन पूर्वाधार: समृद्ध प्रदेशे आधार" कना नाराके साथ प्रदेशभरके धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक, पुरातात्विक ओ सीमसार तथा ताल तलैया क्षेत्रके संरक्षण, विकास ओ प्रवर्द्धनके लाग "बाकावीर पर्यटन प्रवर्द्धन कार्यक्रम" सञ्चालन कैना बा ।

प्रदेशके प्रमुख प्राकृतिक पर्यटकीय स्थलहे आरोग्य पर्यटन हबके रुपमे विकास कैना बा । बडिमालिका क्षेत्रके एकिकृत विकास योजना बनाके लागु कैना बा ।

अपि-सुर्मा-सैपाल-खप्तड-रानीसैन-बडिमालिका-रामारोशन क्षेत्रमे उच्च पहाडी तथा हिमाली पर्यटन प्रवर्द्धन तथा पदमार्ग निर्माण करके प्रदेशहे आकर्षक तथा सुरक्षित पर्यटन गन्तव्यके रूपमे विकास कैना बा ।

"सामुदायिक वन, प्रदेशे धन" कना नाराके साथ वन पैदावारहे आर्थिक विकास एवम् स्थानीय रोजगारीके साधनके रूपमे उपयोग कैना नीति लेना बा ।

वनक्षेत्रके व्यवस्थापन करके उत्पादन ओ उत्पादकत्व अभिवृद्धि कैना बा । स्थानीय, रैथाने, लोपोन्मुख प्रजाति ओ उच्चमूल्यके जडिबुटीको खोज तथा अनुसन्धान, उत्पादन, प्रशोधन ओ बजारिकरणके माध्यमसे मूल्य श्रृत्ला निर्माण कैना जडिबुटी पकेट क्षेत्र प्रवर्द्धन करके जडिबुटी प्रशोधन ओ प्रमाणिकरणके कार्य अगाडि बढैना बा ।

नदी तटीय क्षेत्रमे बाँस, बेत, सिसम, खयर, सिमल लगायतके प्रजातिके वृक्षारोपण करके स्थानीय उद्योगके लाग कच्चा पदार्थ उत्पादन कैना बा ।

गरीब, विपन्न तथा सीमान्तकृत वर्गहि प्रत्यक्ष लाभ पुग्न करके कबुलियती वन, कृषि वन ओ जीविकोपार्जन कार्यक्रम सञ्चालन कैना बा ।

मानव-प्रकृति सहअस्तित्व कायम कैना मानव-वन्यजन्तु द्वन्द्व न्यूनीकरण, डढेलो नियन्त्रण ओ वन्यजन्तु उद्धारके लाग निरोधात्मक, प्रवर्धनात्मक ओ उपचारात्मक उपाय अवलम्बन कैना बा ।

जैविक मार्गमे रहल वन अतिक्रमण क्षेत्र खाली कराके वन क्षेत्र कायम कैना बा । वनक्षेत्रमे हुइना अतिक्रमण नियन्त्रण करके विगतमे हुइल अतिक्रमण हटैना कार्यहे निरन्तरता डेना बा ।

"मुख्यमन्त्री स्वास्थ्य क्षेत्र सुधार कार्यक्रम" अन्तर्गत प्रदेश सरकारके अस्पतालमे प्रयोगशाला, आकस्मिक सेवा, शल्यक्रिया तथा सघन उपचार कक्ष, फार्मेसी, रेडियोलोजी विभाग लगायतके अत्यावश्यक सेवाहे थप स्तरोन्नति कैना बा । सेती प्रादेशिक अस्पताल, महाकाली प्रादेशिक अस्पताल ओ टिकापुर अस्पतालहे १०० शैय्या क्षमतामे विस्तार कैना बा । साथे दार्चुला, बाजुरा, बझाङ, बैतडी, अछाम ओ डोटी जिल्ला अस्पतालहे बिरामीके चाप अनुरुप न्यूनतम २५ से ५० शैय्या क्षमतामे विस्तार कैना बा । जिल्ला अस्पतालमे हाडजोर्नी, बालरोग, स्त्री तथा प्रसूति, दन्त, फिजियोथेरापी लगायतके विशेषज्ञ सेवाके क्रमशः विस्तार एवं विकास कैना बा ।

कैलाली ओ कञ्चनपुरमे थारु समुदाय लक्षित सिकेलसेल एनिमिया, थालासेमिया, हेमोफिलिया जैसिन रोगके पहिचान, निदान ओ उपचारके व्यवस्थाके लाग "घोरीघोरा स्वास्थ्य उपचार कार्यक्रम" हे निरन्तरता डेना बा ।

"प्रदेशके समृद्धिके लाग स्वस्थ नागरिक" कना नाराके साथ स्थानीय तहके आधारभूत अस्पतालसे प्रवाह हुइना सेवालहे थप व्यवस्थित बनैना संघ सरकार ओ सम्बन्धित स्थानीय तहसंग सहकार्य कैना बा । स्वास्थ्य कार्यालय, प्रदेश स्वास्थ्य आपूर्ति केन्द्र, प्रदेश जनस्वास्थ्य प्रयोगशाला, स्वास्थ्य तालिम केन्द्र लगायतके निकाय मार्फत आधारभूत स्वास्थ्य सेवा सुदृढीकरणके लाग विशेष कार्यक्रम संचालन कैना बा । निःशुल्क उपलब्ध करैना औषधिके उपलब्धताहे सर्वसाधारणके लाग सहज हुइना करके व्यवस्थित बनैना बा ।

"मेरो स्वास्थ्यः मेरो जिम्मेवारी" कना नारा सहित नैसर्ना तथा मानसिक रोग न्यूनीकरणके लाग स्वास्थ्य कार्यालय मार्फत नैसर्ना रोग सम्बन्धी योजना, कार्यान्वयन कैना बा । प्रदेशभिटर स्थानीय तह, निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रके सहकार्यमे सार्वजनिक स्थानमे खुला व्यायामशाला, प्राकृतिक चिकित्सा, ध्यान तथा योग, आरोग्य केन्द्र आदि स्थापना ओ सञ्चालन कैना बा ।

प्रादेशिक आयुर्वेद चिकित्सालयहे ५० शैय्या क्षमतामे स्तरोन्नती कैना । साथे जिल्ला स्थित आयुर्वेद स्वास्थ्य केन्द्रके सुदृढीकरण कैना बा । प्रदेश स्तरमे आयुर्वेद औषधि उत्पादन केन्द्र स्थापना कैना बा ।

बालबालिका, किशोर किशोरी, गर्भवती ओ सुत्केरी महिलाके पोषण अवस्था सुधारके लाग विद्यालय ओ समुदायमे आधारित स्वास्थ्य तथा पोषण प्रवर्द्धन सहित पोषण सुरक्षा कार्यक्रम लागू कैना बा । कडा कुपोषण हुइल बालबालिकाहे पोषण पुनर्स्थापना केन्द्रसम पहुँच सुनिश्चित कैना सम्बन्धित जिल्लाके सरकारी अस्पताल मार्फत आकस्मिक प्रेषणके व्यवस्था मिलैना बा ।

"प्रत्येक आमाको हक-सुरक्षित गर्भ, सुरक्षित जीवन" कना नारा सहित मातृ तथा बाल मृत्युदर न्यूनीकरण करेक लाग "ग्रामीण अल्ट्रासाउण्ड कार्यक्रम" हे निरन्तरता डेजाई । महिलाके पाठेघरो मुखके क्यान्सर, स्तन क्यान्सर ओ आङ खस्न रोग तथा मुटु, कलेजो ओ मृगौला सम्बन्धी रोगके पहिचान एवं निदान कैना सक्कु जिल्लामे विषेशज्ञ सहितके एकीकृत स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन कैना बा ।

"स्वास्थ्यमे प्रविधि, समृद्धिमे गति" कना नारा सहित बिशेषज्ञ चिकित्सा सेवाके पहुँच बढैना टेलिहेल्थ कार्यक्रम संचालन करटी प्रदेश मातहतके अस्पतालमे इलेक्ट्रोनिक मेडिकल रेकर्ड प्रणालीके थप विस्तार ओ व्यवस्थापन करजाई ।

स्थानीय तहसँगो सहकार्यमे अपांगता हुइल व्यक्तिके पुनर्स्थापनाके लाग सहायक सामग्री वितरण ओ समुदायमे आधारित पुनर्स्थापनाके क्षेत्रमे आवश्यक सहयोग करजैना बा । बौद्धिक अपाङ्गता ओ अटिजम हुइल बालबालिकाके स्किनिंग सेवा जिल्ला स्तरमे सुरुवात कैना बा ।

"स्वास्थ्य बीमाके साथ, सेवामे विश्वास" कना नाराके साथ महिला स्वास्थ्य स्वयम् सेविका विमा कार्यक्रमहे निरन्तरता डेना बा । प्रदेशभिटरके अस्पतालमे रहल सामाजिक सुरक्षा इकाइहे सुदृढ कैना बा । जोखिममे रहल सीमान्तीकृत ओ विपन्न वर्गके लाग लक्षित विशेष कार्यक्रम लागू करटी स्वास्थ्य बीमा ओ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमहे विस्तार कैना बा ।

सेती, महाकाली ओ टिकापुर अस्पतालस प्रदान करटी आइल मृगौला डाईलाइसिस सेवाहे सुदृढ बनैना मौजुदा संख्यामे क्रमशः पाँच, चार ओ तीन शैय्या थप कैना तथा बयलपाटा प्रादेशिक अस्पतालमे २ शैय्या, जोगबुढा प्रादेशिक अस्पतालमे २ शैय्या, लम्कीचुहा प्रादेशिक अस्पतालमे ५ शैय्या ओ अन्य जिल्ला अस्पतालमे समेत न्यूनतम २ शैयाके डाईलासिस सेवा विस्तार कैना । सेती प्रादेशिक अस्पतालमे क्याथल्याब स्थापना कैना बा ।

प्रादेशिक अस्पतालमे रहल जेष्ठ नागरिक इकाईके स्तरोन्नति करटी सेती, महाकाली ओ टीकापुर अस्पतालसे एकल महिला, 'क' वर्गके अपांगता हुइल व्यक्ति तथा जेष्ठ नागरिकहे निःशुल्क परीक्षण ओ औषधि व्यवस्थापनहे निरन्तरता डेना बा । जिल्ला अस्पतालसे संचालन कैना सेवाहे जेष्ठ नागरिक मैत्री बनैटी लैजैना बा । .

अपाङ्गता हुइल तथा सीमान्तकृत वर्गके बालबालिका लक्षित प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रम मार्फत शिक्षाहे सर्वसुलभ एवम् समावेशी बनैना बा । सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालयसँग समन्वय करके केन्द्रीय क्याम्पस, महेन्द्रनगर ओ कैलाली बहुमुखी क्याम्पस, धनगढीमे बाहृय जिल्लासे उच्च शिक्षा अध्ययनके लाग अइना विपन्न ओ उत्पीडित विद्यार्थीके लाग छात्रावास निर्माण कैना बा ।

अनाथ बालवालिका, जेष्ठ नागरिक, अपांगता हुइल व्यक्ति, लैंगिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक ओ विपन्न समुदायहे आत्मसम्मान सहित सहज ओ सुन्दर जीवनयापन करेक लाग सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी कार्यक्रमहे समन्वयात्मक रूपमे प्रदेशस्तरमे संचालन कैना बा ।

लैंगिक हिंसा पीडित महिला तथा बालबालिकाके संरक्षण एवं पुनर्स्थापनाके लाग प्रदेश सरकारसे निर्माणाधीन दिर्घकालिन पुनर्स्थापना केन्द्र ओ स्थानीय तह तथा सामाजिक विकास संस्था मार्फत संचालित अल्पकालिन पुनर्स्थापना केन्द्र संचालनमे सहयोग तथा सहकार्य कैना बा ।

स्थानीय तह पकेट क्षेत्र विकास अन्तर्गत "एक पालिका-दुई उत्पादन" कार्यक्रमहे आवश्यकता अनुसार परिमार्जन तथा सुदृढीकरण करके यकर प्रभावकारिता अभिवृद्धि कैना बा । स्थानीय रैथाने बाली/वस्तु उत्पादनमे आधारित खाद्य प्रणालीके विकास करके दिगो, समतामूलक ओ समानुकुलित खाद्य प्रणालीके विकास कैना । प्रदेशभिटर स्थानीय तहमे सञ्चालनमे रहल प्रांगारिक कृषि प्रवर्द्धन कार्यक्रमहे निरन्तरता डेके क्रमिक रुपमे जोनिङ, विकास तथा संरक्षण कैना ओ प्राङगारिक उत्पादन प्रमाणीकरण एवं बजारीकरण प्रक्रियाहे प्राथमिकताका साथ आघे बढैना बा ।

आन्तरिक उत्पादन अभिवृद्धि तथा आयात प्रतिस्थापनहे लक्षित करके रासायनिक मल तथा गैर रासायनिक मलके वितरण प्रणालीहे वस्तुनिष्ठ, पारदर्शी ओ प्रभावकारी बनैना बा । साथे, प्राङ्गारिक मलके प्रयोगहे प्रोत्साहन कैना बा । सिँचाइ सुविधाके दिगो विस्तारमार्फत कृषि उत्पादनशीलता वृद्धि कैना बा । कृषि अनुदान प्रणालीहे डिजिटल प्रविधिमे आधारित बनाके पारदर्शिता, जवाफदेहीता तथा प्रतिफलमुखी बनैना बा ।

"पोखौं पसिना देशमै हाँसेर" कना मूल नाराहे मार्गदर्शनके रूपमे ग्रहण करटी युवा पलायन रोक्न स्वदेशमे रोजगारी सिर्जना कैना उद्देश्यसे कृषि अध्ययन करल, वैदेशिक रोजगारीसे लौटल ओ नवयुवाके कृषि उद्यमशीलता विकास करके युवामैत्री, दिगो ओ व्यवसायमुखी कृषि प्रणालीके प्रवर्द्धन कैना बा ।

प्रदेश तथा जिल्ला तहमे रहल कृषि क्षेत्रके प्रयोगशालाके गुणस्तर, क्षमता ओ पहुँच अभिवृद्धि कैना आवश्यक भौतिक पूर्वाधार, आधुनिक उपकरण, दक्ष जनशक्ति ओ कानुनी व्यवस्था, विकास तथा सुदृढीकरण कैना बा । "जनताके घरदैलोमे सरकार" के अवधारणाअनुरुप प्रयोगशाला सेवाके विस्तार करके कृषकके घर-खेतसम हाली, सहज ओ गुणस्तरीय परीक्षण सेवा तथा प्रतिवेदन उपलब्ध कैना बा । कृषि उपजके उचित मूल्य सुनिश्चित कैना बजारसंग कृषकके प्रत्यक्ष पहुँच अभिवृद्धि कैना कृषि बजार सूचना प्रणाली सञ्चालन कैना तथा एसएमएस/डिजिटल माध्यमसे दैनिक बजार मूल्य तथा सूचना कृषक तथा उपभोक्तासम सहज ओ समयमे पुगैना व्यवस्था मिलैना बा ।

प्रदेशभिटर रहल मुक्त हलिया, मुक्त कमैया तथा कमलरीहुकनके क्षमता अभिवृद्धि, आयआर्जन ओ उत्थानशीलताके लाग विशेष कार्यक्रम सञ्चालन करटी व्यवस्थित बसोबास सुनिश्चित कैना स्थानीय, प्रदेश ओ संघ सरकारबीच समन्वय तथा संयुक्त प्रयासमार्फत पुनःस्थापनके व्यवस्था कैना बा ।

चैतन्यसे 'आमाको माया...

बापतके रकम जम्मा करके हस्तान्तरण करल रहिट कलेसे अभिभावक ज्ञानु रोकायासे समेत उ कार्यमे सहयोग करल रहिट । यैसिन सहयोगात्मक कार्यक्रमसे बालबालिकाके शैक्षिक यात्रामे सकारात्मक प्रभाव पर्नाके साथे सामाजिक सद्भाव ओ मानवीय सम्बन्धहे आउर बलगर बनैना विश्वास लेहल बा ।

चैतन्य पाठशालासे विगत २६ वर्षसे शिक्षा क्षेत्रमे योगदान पुगैटी आइल स्मरण करटी संस्थाके सफलताके वास्तविक आधार समाज, अभिभावक ओ विद्यार्थीके विश्वास रहल पाठशालाके प्राचार्य प्रेमनिधि ओझा बटैलै । विद्यालयसे शिक्षासंगे सामाजिक उत्तरदायित्वहेफे अपन प्रमुख कर्तव्यके रूपमे लेटी आइल ओ अइना दिनमे समेत यैसिन सेवामूलक कार्यक्रमहे निरन्तरता डेना उहाँ बटैलै ।

चैतन्य पाठशालासे हरेक समय प्राप्त सहयोगसे दैनिक आवश्यकताके पूर्तिमे सहयोग पुग्नके साथै अपनहे समाजसे साथ डेहल अनुभूति डेहुवाइल आमाको माया छात्रावास प्रमुख सुवास तामाङ बटैलै ।

स्थापना दिवसके अवसरमे करल यी सहयोगात्मक कार्यक्रमसे चैतन्य पाठशालाके सामाजिक प्रतिबद्धता, मानवीय संवेदना ओ सेवामूलक सोचहे पुनः एक चो उजागर करले बा । विद्यालयसे अइना दिनमेफे यैसिन रचनात्मक तथा समाजमुखी गतिविधिहे निरन्तरता डेटी शिक्षा ओ संस्कारके यात्राहे आउर प्रभावकारी बनैना विश्वास व्यक्त करले बा ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ६ मटियारी स्थित कित्ता नं. १४९७ क्षेत्रफल १६९.३१ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री मातादेवी विष्टले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्वः सडक | पश्चिमः कलापती जैशी

उत्तरः द्वारिका देवी शाही | दक्षिणः नवराज कोइराला

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)

NMC No. 15308

कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी

संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

बारहपहिरोके जोखिममे विद्यालय, त्रासमे विद्यार्थी

बाजुरा, १८ जेठ । जिल्लाके पूर्वी-उत्तरी क्षेत्रमे पर्ना बुढीनन्दा नगरपालिका-१, भारती कौशाडीस्थित पादुका माध्यमिक विद्यालय बारहपहिरोके उच्च जोखिममे परल बा ।

गत जेठ १२ गतेके अविरल वर्षापाछे उप्परसे आइल पहिरो ओ टरेसे बहल खोलुवाके कटानके कारण विद्यालय क्षेत्र जोखिममे परल हो । बारहपहिरोसे विद्यालयके कुछ संरचनामे क्षति पुगाइलपाछे विद्यार्थी ओ शिक्षक त्रासके बिच पठनपाठन कैना बाध्य हुइल बटै ।

विद्यालयके माथिल्लो भाग भिरालो रहल ओरसे वर्षाके बरा बरा ढुङ्गा गिर्ना ओ पहिरो जैना जोखिम रहल बा । ओस्टके, विद्यालयटर बहना खोलुवा वर्षायाममे तीव्र कटान कैना करल विद्यार्थी रामबहादुर कार्की बटैलै ।

"विद्यालयके उप्परसे पहिरो अइना ओ टरेसे खोलुवा कटान कैना डर रहल बा । वर्षाके समयमे त्रासके बीच पहे पर्ना अवस्था रहल बा," उहाँ कहलै । पादुका माध्यमिक विद्यालयके प्रधानाध्यापक नैन कार्कीके अनुसार मनसुन सुरु हुइलसँगे विद्यालयमे पठनपाठन सञ्चालन कैना कठिन हुइल बा । बारहपहिरोसे विद्यालयके १० ओ ११ कक्षाके कोठामे क्षति पुगाइल उहाँ जानकारी डेलै ।

"अब्बे ठोर ठोर हुइल वर्षामे अइसीन अवस्था बा कलेसे वर्षायामभर का हुइ कना चिन्ता रहल बा । कक्षा सञ्चालन करेबर फेन उप्परसे पहिरो गिर्ना डर रहल बा," प्रधानाध्यापक कार्की कहलै ।

विद्यालयमे कक्षा १ से १२ सम अध्ययन हुइना करठ् । नयाँ शैक्षिक सत्रमे करिब ३०० से ढेर विद्यार्थी भर्ना हुइल बटै कलेसे कक्षा ११ ओ १२ मे भर्ना हुइना क्रम आभिन जारी रहल बा ।

विद्यालयमे तीन नयाँ ओ एक पुरान कैके चारठो भवन रहल बावै । भौतिक पूर्वाधारके अभाव रहल अवस्थामे बारहपहिरोसे विद्यमान संरचनासमेत जोखिममे परलपाछे पठनपाठन प्रभावित हुइल बा ।

बुढीनन्दा नगरपालिका-१ के वडा अध्यक्ष मानबहादुर कार्की गत बरससे स्थानीय, प्रदेश तथा संघीय सरकारके सहयोगमे निर्माण करल पूर्वाधारमे समेत बारहपहिरो क्षति पुगाइल बटैलै ।

"विद्यालय किल नैहोके, वडाके अधिकांश गाउँबस्ती फेन बारहपहिरोसे प्रभावित हुइल बावै । विद्यालय अइना-जैना गोरेटो डगरासमेत अवरुद्ध हुइल बावै । ढेर परिवार विस्थापित हुइल बटै ओ ओइनके व्यवस्थापन चुनौती बहल बा," उहाँ कहलै । उहाँ बारहपहिरो प्रभावितके लाग प्रदेश ओ संघीय सरकारसे तत्काल राहत तथा पुनःस्थापनाके कार्यक्रम सञ्चालन करे पर्ना आवश्यकता अँल्याइल रहिट ।

धनगढीमे सन्ध्याकालीन महोत्सव हुइना

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ जेठ । धनगढीमे धनगढी उत्सव २०८३ तथा सन्ध्याकालिन महोत्सव हुइना हुइल बा ।

सोम्मारके महोत्सव आयोजक प्रभात मिडिया एण्ड इभेन्टस् प्रालि पत्रकार सम्मेलन मार्फत मेलाबारे जानकारी कराइल हो । प्रालिके अध्यक्ष प्रकाश छेडाल महोत्सव इहे जेठ २१ गतेसे असार ११ गतेसम सञ्चालन हुइना बटैलै । महोत्सवके मुख्य उद्देश्य धनगढीके विशेषता चिन्हैना, सकारात्मक सूचना प्रवाह, गर्मीके समयमे सन्ध्याकालिन समयमे रिफ्रेसमेन्ट कैना ओ यहाँके स्थानीय कलाकारनहे हौसला प्रदान कैना ओ प्रमोसन कैना रहल अध्यक्ष छेडाल बटैलै । उहाँ महोत्सवमे रमाइलोके लाग पिङ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, टमान स्टल रहना जनैलै कलेसे महोत्सव आयोजनाके लाग १४ लाखसम खर्च हुइ सेक्ना फेन जानकारी डेलै ।

सन्ध्याकालिन मेला राष्ट्र बैंक चोक ओम शान्ति आघक खुला मैदान पार्किङ स्थलमे आयोजना हुइना जनाइल बा । महोत्सव अवलोकन करक लाग विद्यार्थीके लाग २० ओ साधारणके लाग ३० रुपिया टिकट निर्धारण करल बा । महोत्सव साँझ ५ बजेसे ८ बजेसम आयोजना हुइना जनाइल बा ।

महाकालीमे जवानसहित दुईके शव फेला

डडेल्धुर, १८ जेठ । महाकाली लडियामे बेपत्ता हुइल सशस्त्र प्रहरी जवानसहित दुई जनहनके शव तीन दिनपाछे फेला परल बा ।

परशुराम नगरपालिका-५, परिगाउँ क्षेत्रस्थित महाकाली लडियामे बेपत्ता हुइल सशस्त्र प्रहरी बलके बिओपी परिगाउँमे कार्यरत जवान ओमप्रकाश पुन मगर ओ स्थानीय ५६ वर्षीय तीर्थबहादुर थापा मगरके शव फेला परल जिल्ला प्रहरी कार्यालय डडेल्धुराके प्रमुख प्रहरी नायब उपरीक्षक बरुणबहादुर सिंह जानकारी डेलै ।

प्रहरीके अनुसार तीर्थबहादुरके शव परिगाउँस्थित कल्पट्ठेथान लग्गेहे महाकाली लडियक किनारमे फेला परल हो । जवान पुनके शव भर कञ्चनपुरके ब्रह्मदेव पारी भारतके टनकपुर क्षेत्रस्थित महाकाली लडिया किनारमे भेटल बा ।

गत शुखसे सम्पर्कविहीन हुइल ओइनके खोजीके क्रममे लडिया किनारमे प्रयोग करल ट्युब फेला परलपाछे डुबल आशंकामे खोजी कार्य तीव्र पारल रहे ।

उपकुलपति डा.टीएन जोशीहे बर्दियामे अभिनन्दन

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, १८ जेठ । सुदूरपश्चिम प्रज्ञा-प्रतिष्ठानका उपकुलपति तथा संस्कृतिविद् डा.टीएन जोशीहे बर्दियामे अभिनन्दन कैगैल बा ।

ठाकुरबाबा प्रज्ञा-प्रतिष्ठान बर्दियाके आयोजना हुइल लोकनृत्य महोत्सव तथा नगर गान सार्वजनिक समारोहमे ठाकुरबाबा नगरपालिकाके उपमेयर बिनाकुमारी भट्टराई ओ ठाकुरबाबा प्रज्ञा-प्रतिष्ठानका अध्यक्ष कृष्णप्रसाद पौड्याल संयुक्त रूपमे दोसल्ला ओ अभिनन्दन पत्रसहित सम्मान कैगैल हो ।

कार्यक्रममे बोल्टी सुदूरपश्चिम प्रज्ञा-प्रतिष्ठानके उपकुलपति जोशी ठाकुरबाबा नगरपालिका प्रज्ञा-प्रतिष्ठान स्थापना कैके प्रशंसनीय काम करल ओरसे प्रतिष्ठान मौलिक कला ओ संस्कृतिके सम्बर्द्धनमे उल्लेखनीय काम करलमे धन्यवाद डेलैं । उपकुलपति जोशी प्रज्ञा-प्रतिष्ठान अन्तरप्रदेश सहकार्य कैके आघे बरहाइ पर्ना आवश्यकता रहल बटैलैं । समारोहमे नगरप्रमुख तिलकराम लम्साल, ठाकुरबाबा प्रज्ञा-प्रतिष्ठानके उपाध्यक्ष खगेन्द्र नेपाल लगायत मन्तव्य ढरले रहिंट ।

Shaileshwori Farwest School of Health Science & Technology

Kailali

आवेदन फाराम भर्ने सम्बन्धी सूचना

उपरोक्त सम्बन्धमा प्रा.शि. तथा व्या.ता. परिषदबाट मिति २०८३/०१/२८ गतेको प्रकाशित सूचना अनुसार शैक्षिक सत्र २०८३/०८४ का लागि यस क्याम्पसमा सामान्य चिकित्सा, ल्याब टेक्निसियन र डिप्लोमा इन फार्मेसी कार्यक्रममा भर्ना आवेदन फाराम खुलेको व्यहोरा जानकारी गराइन्छ ।

आवेदन फाराम भर्ने तथा बुझाउने सम्बन्धी व्यवस्था:

आवेदन फाराम शुल्क: १०००।- (एक हजार मात्र)

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने मिति: २०८३ वैशाख २९ गते मंगलबारदेखि

अनलाइन आवेदन फाराम भर्ने अन्तिम मिति: २०८३ जेठ १३ गते बुधबारसम्म

आवेदन फाराम सम्बन्धमा : शिक्षालयमा आई आवेदन फाराम भर्न सकिन्छ र अनलाइनबाट पनि भर्ना सकिनेछ ।

क्र.सं.	संचालित कार्यक्रमहरू	सिट संख्या	खुल्लातर्फ (अन्य विविध कोटाहरूसहित)	वर्गीकृत निःशुल्क छात्रबृत्ति	मेरिट छात्रबृत्ति
१.	सामान्य चिकित्सा (HA)	४०	३६	३	१
२.	मेडिकल ल्याब टेक्नोलोजी CMLT	३०	२७	२	१
३.	डिप्लो इन फार्मेसी	४०	३६	३	१

अनलाइन आवेदन फाराम भर्न चाहिने आवस्यक कागजातहरू :

१. रंगिन फोटो 35mmx45mm साइज (२) प्रति

२. SEE नतिजा Online बाट प्रिन्ट गरेको (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा)/पुरानो SEE/SLC को हकमा सक्कल मार्कसिट ।

३. SEE सक्कल प्रवेशपत्र (यसै सालमा SEE नतिजा प्रकाशितको हकमा) ।

४. चारित्रिक प्रमाणपत्र (Character Certificate) सक्कल ।

५. जन्मदर्ता वा नेपाली नागरिकता सक्कल ।

६. TSLC को हकमा SEE/SLC/TSLC अध्ययन गरेको सम्पूर्ण शैक्षिक कागजातहरू सक्कल ।

७. लक्षित वर्गको हकमा सो खुल्ने आवश्यक प्रमाणपत्र ।

फोन नं. ०९१-५२१३०५/९८५८४२३५०६/९८६३८०४३५२, ९८४८५३०४५६

विमला पौडेल
क्याम्पस प्रमुख

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन ।*
२) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा झमझमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेशन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२१२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न

Advanced Healthcare for all...

निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरू

- जनरल फिजिसियन (पेट,छाती,मुटु) रोग विशेषज्ञ
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ
- न्यूरो, मस्तिष्क, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्टस फिजियोथेरापिष्ट
- हाडजोर्नी तथा नशारोग विशेषज्ञ
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
- स्त्री तथा प्रसुति रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- मुख, अनुहार तथा बङ्गारा विशेषज्ञ
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
- छाला, यौन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
- मृगौला तथा मूत्ररोग विशेषज्ञ
- मुटु रोग विशेषज्ञ

सिटी स्क्यान सेवा | फिजियोथेरापी सेवा

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisargahospitalnepal.com /nisargahospitalnepal